

वैश्विक अनिश्चितताओं में कपड़ा निर्यात बढ़ा

जुलाई 2025 में कपड़ा निर्यात 5.3 अरब डॉलर बढ़कर 3.1 अरब डॉलर पहुंचा

रेडीमेड गारमेंट्स, कालीन और हस्तशिल्प ने वृद्धि में अग्रम योगदान

नई दिल्ली, 21 अगस्त. वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के कपड़ा और परिधान क्षेत्र ने जुलाई में सकारात्मक वृद्धि की राह पर अग्रसर होकर मजबूती का प्रदर्शन किया है, जिससे रोजगार, निर्यात और आर्थिक विकास के प्रमुख चालक के रूप में इस क्षेत्र की भूमिका को पुष्टि होती है।

डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ कमर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टैटिस्टिक्स (डीजीसीआईएस) के अनुमानों के अनुसार, जुलाई में



भारत का टेक्सटाइल सेक्टर जुलाई में मजबूत प्रदर्शन

प्रमुख कपड़ा वस्तुओं का निर्यात पिछले वर्ष की इसी अवधि के 11.73 अरब डॉलर के आंकड़े से 3.87 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। सेगमेंट-वाइज आंकड़े दर्शाते हैं कि इस वर्ष जुलाई में रेडीमेड कपड़ों का निर्यात 1.34 अरब डॉलर रहा, जो जुलाई 2024 के 1.28 अरब डॉलर से 4.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस

अप्रैल-जुलाई 2025 की अवधि के लिए, संचयी कपड़ा निर्यात 12.18 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 11.73 अरब डॉलर के आंकड़े से 3.87 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। सेगमेंट-वाइज आंकड़े दर्शाते हैं कि इस वर्ष जुलाई में रेडीमेड कपड़ों का निर्यात 1.34 अरब डॉलर रहा, जो जुलाई 2024 के 1.28 अरब डॉलर से 4.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस

बयान में कहा गया है कि उद्योग का प्रदर्शन भारत की विविध उत्पाद क्षमता को दर्शाता है, जो कपास और एमएमएफ-आधारित वस्त्रों से लेकर पारंपरिक हस्तशिल्प और पर्यावरण-अनुकूल जूट तक फैली हुई है। बयान में आगे कहा गया है कि आरओएससीटीएल, आरओडीटीपी, वस्त्रों के लिए पीएलआई, पीएम मित्र पार्क और नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन, राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम जैसी योजनाओं के तहत पहले इस क्षेत्र को आधुनिक बनाने, इनोवेशन करने और विविधीकरण करने में सक्षम बना रही हैं।

वर्ष अप्रैल-जुलाई के लिए संचयी निर्यात 7.87 प्रतिशत बढ़कर 5.53 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 5.13 अरब डॉलर था। सूती वस्त्र (सूती धागे, कपड़े, मेड-अप और हथकरघा) का निर्यात जुलाई 2024 के 970.5 मिलियन डॉलर से 5.2 प्रतिशत बढ़कर 1.02 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल-जुलाई 2025 के लिए

संचयी निर्यात 3.88 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष के 3.89 अरब डॉलर से लगभग अपरिवर्तित रहा। कापड़ें निर्यात 8 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 133 मिलियन डॉलर हो गए, जबकि हस्तशिल्प निर्यात में 10 प्रतिशत से अधिक की मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई और जुलाई में यह 153.4 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

पीएफओ के पेट्रोल डेटा में उछाल

जून में 21.89 लाख नए सदस्य जुड़े, रोजगार के अवसरों में वृद्धि का संकेत

नई दिल्ली, 21 अगस्त. कर्मचारी भविष्य निधि संगठनने बुधवार को जून महीने के लिए अपने अंतिम पेट्रोल डेटा जारी किए, जिसमें शुद्ध रूप से 21.89 लाख नए सदस्य जुड़े हैं। यह मई की तुलना में शुद्ध पेट्रोल परिवर्धन में 9.14 लाख की वृद्धि दर्शाता है, जो देश भर में रोजगार के अवसरों में सकारात्मक रुझान और कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता को उजागर करता है।

नए सदस्यों में युवाओं की बड़ी भागीदारी, महिला सदस्यों में भी उल्लेखनीय वृद्धि

श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, ईपीएफओ ने जून में लगभग 10.62 लाख नए सदस्यों का नामांकन किया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि नए सदस्यों की यह वृद्धि बढ़ते रोजगार बाजार, ईपीएफओ के लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और नए कर्मचारियों को जोड़ने के लिए संगठन की केंद्रित पहलों के कारण है। नए सदस्यों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा 18-25 आयु वर्ग से आया है, जो जून में कुल नए सदस्यों का 60.22% है। यह 6.39 लाख व्यक्तियों के बराबर है, जिनमें से अधिकांश पहली बार नौकरी करने वाले हैं, जो औपचारिक कार्यबल में युवा लोगों



के प्रवेश की प्रवृत्ति को जारी रखे हुए हैं। जून के लिए 18-25 आयु वर्ग में शुद्ध पेट्रोल परिवर्धन 9.72 लाख रहा, जो मासिक आधार पर 11.41 लाख और पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 12.15 लाख की वृद्धि दर्शाता है। डेटा से यह भी पता चलता है कि लगभग 16.93 लाख सदस्य, जो पहले ईपीएफओ से बाहर निकल गए थे, जून में फिर से जुड़ गए हैं, जो साल-दर-साल 19.65 लाख की वृद्धि दर्शाता है। इनमें से कई सदस्यों ने अंतिम निपटान का विकल्प चुनने के बजाय अपनी पिछली ईपीएफओ जमा को स्थानांतरित कर नौकरी बदली है, जिससे उनकी दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

143 दवाएं फेल, 8 निकली नकली



जुलाई जांच में बड़ा खुलासा सामने आया

बिहार से सात नकली दवाएं मिलीं

नई दिल्ली, 21 अगस्त. केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की नियमित निगरानी गतिविधियों के तहत जुलाई 2025 में खराब गुणवत्ता वाली और नकली दवाओं की सूची जारी की गई है।

केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने इस दौरान 46 दवाओं के नमूनों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया, जबकि राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 97 दवा नमूनों को मानक के अनुरूप न पाकर एनएसक्यू घोषित किया। इस प्रकार कुल 143 दवा नमूने जुलाई माह में असफल पाए

गए. दवाओं को एनएसक्यू तब घोषित किया जाता है, जब वे किसी न किसी निर्धारित गुणवत्ता पैरामीटर पर खरी नहीं उतरतीं। यह असफलता केवल संबंधित बैच तक सीमित होती है और इसका असर बाजार में उपलब्ध अन्य बैचों पर नहीं होता। इसके अलावा, जुलाई 2025 में बिहार से सात दवा नमूने और सीडीएससीओ नॉर्थ जोन, गाजियाबाद से एक दवा नमूना नकली (स्प्यूरियस) पाया गया। जांच में सामने आया कि ये दवाएं अनधिकृत निर्माताओं द्वारा किसी अन्य कंपनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग कर तैयार की गई थीं।

रेलवे और ट्रेवल एजेंट के बीच साझेदारी

प्रगति के लिए साझेदारी थीम पर हुई अहम चर्चा

अहमदाबाद, 21 अगस्त. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने मंगलवार को ग्लोबल ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन के साथ अमदाबाद में एक महत्वपूर्ण संवादात्मक और सहभागिता सत्र का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्रगति के लिए साझेदारी- भारतीय रेलवे के साथ व्यावसायिक अवसर थीम पर आधारित था।

भारतीय रेलवे और पर्यटन क्षेत्र के लिए नए अवसरों की तलाश- इस सत्र का मुख्य उद्देश्य भारतीय रेलवे और ट्रेवल ट्रेड फ्रंटनिटी के बीच एक सहयोगी मंच स्थापित करना था, जहाँ नए व्यावसायिक अवसरों, यात्री सेवाओं, पर्यटन संवर्धन और साझेदारी के विभिन्न आयामों का गहन चर्चा की गई। यह पहल



GTAA के उस मिशन को भी दर्शाती है, जिसके तहत वह ट्रेवल इंस्ट्रुटी और सरकारी संस्थाओं के बीच संबंधों को मजबूत कर आपसी विकास और व्यावसायिक क्षितिज का विस्तार करना चाहता है। भविष्योन्मुखी योजनाओं पर प्रकाश- मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद वेद प्रकाश ने इस अवसर पर भारतीय रेलवे के दूरदर्शी दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे केवल देश की प्रगति का आधार स्तंभ ही नहीं है, बल्कि यह क्षेत्रीय आर्थिक विकास, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यटन संवर्धन की अहम कड़ी भी है। उन्होंने भारतीय रेलवे की दूरदर्शी नीतियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी, जिनमें अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1377 स्टेशनों का

सुझावों को भविष्य की योजनाओं में शामिल करने पर जोर

मंडल प्रवक्ता ने बताया कि इस संवादात्मक सत्र में प्राप्त सभी सुझावों को भारतीय रेलवे की भविष्य की योजनाओं में शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे न केवल रेल सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता में वृद्धि होगी, बल्कि यात्रियों के अनुभव को और अधिक समृद्ध और संतोषजनक बनाया जा सकेगा। यह सत्र विचारों और भारतीय रेल तथा यात्रा व्यापार समुदाय के बीच मजबूत साझेदारी एवं दीर्घकालिक सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

पुनर्विचार, बुलेट ट्रेन, वंदे भारत और नमो भारत जैसी आधुनिक सेवाएँ शामिल हैं।

जीएसटी सुधारों से मिलेगी राहत

सीतारमण बोली- आम आदमी, किसान, एमएसएमई होंगे लाभान्वित



नयी दिल्ली, 21 अगस्त (चार्ता) वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के युक्तिकरण का उद्देश्य आम आदमी, किसान, मध्यम वर्ग और एमएसएमई को अधिक राहत प्रदान करना है। सीतारमण ने कहा कि इसके साथ ही इसके माध्यम से अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को और सरलीकृत, पारदर्शी और विकासोन्मुखी करने का प्रयास है। उन्होंने जीएसटी परिषद द्वारा क्षतिपूर्ति उपकर, स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, तथा दरों के युक्तिकरण पर गठित मंत्रिसमूहों (जीओएम) को संबोधित करते हुये यह बात कही।

राज्यों के साथ व्यापक सहमति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दो दिन की इस बैठक में मंत्रियों के ये समूह जीएसटी दरों के सरलीकरण, बीमा पर जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर के साथ कर प्रणाली में अगली पीढ़ी के सुधारों पर चर्चा करेंगे। जीएसटी में सुधार लाने के लिए कर की दरों को घटा कर दो स्तरों में पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत करने की योजना है। कुछ अहितकर वस्तुओं पर केंद्र ने ऊंची (40 प्रतिशत) दर का भी प्रस्ताव किया है। अभी जीएसटी में पांच, 12, 18 और 28 प्रतिशत की दर से कर लगता है। आवश्यक वस्तुएं शून्य या पांच प्रतिशत के दायरे में हैं। वित्त मंत्री ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि जीएसटी व्यवस्था में प्रस्तावित सुधारों से शामिल राज्यों के वित्त मंत्री भी उपस्थित थे। केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की भावना के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को लागू करने के लिए आने वाले हफ्तों में

जियो के प्लान सबसे सस्ते : बीएनपी

सबसे लोकप्रिय 799 रु वाले प्लान को बंद करने का कम्पनी ने खंडन किया



नई दिल्ली, 21 अगस्त, रिलायंस जियो के टैरिफ प्लान अन्य टेलीकॉम ऑपरेटर्स की तुलना में अभी भी सबसे सस्ते बने हुए हैं। एनालिस्ट हाउस बीएनपी पारिबास ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि हालिया टैरिफ में किए गए बदलावों के बावजूद जियो के लोकप्रिय प्लान्स सस्ते होने के साथ अधिक

डेटा भी उपलब्ध करा रहे हैं। रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि टेलीकॉम सेक्टर की तीनों बड़ी कंपनियों जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के एंटी लेवल प्लान्स अब 299 रु के हो गए हैं। पर रिलायंस जियो के ग्राहकों को एक जैसी कीमतों के बावजूद अधिक डेटा मिल रहा है। बीएनपी

शेयर कारोबार की अवधि बढ़ाएगा सेबी

मुंबई, 21 अगस्त. भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि नियामक शेयर वायदा कारोबार की अवधि एवं परिपक्वता में सुधार लाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि नकदी बाजार में कारोबार तेजी से बढ़ा है और तीन साल की अवधि में दैनिक कारोबार दोगुना हो गया है। पांडेय ने 'फिक्की कैपिटल मार्केट कॉन्फ्रेंस' 2025 में कहा, " हम वायदा-विकल्प उत्पादों के परिपक्वता खाके और सुधार के तरीकों पर हितधारकों के साथ परामर्श करेंगे।

जुलाई में कृषि-ग्रामीण श्रमिकों की खुदरा मुद्रास्फीति घटी

नयी दिल्ली, 21 अगस्त. कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 0.77 प्रतिशत व 1.01 प्रतिशत रहा जो जून में क्रमशः 1.42 प्रतिशत और 1.73 प्रतिशत थी। श्रम मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी मिली। श्रम मंत्रालय के बयान में कहा गया कि कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जुलाई 2025 में 1.23 अंक बढ़कर 135.31 हो गया

सीतारमण ने कहा कि इन सुधारों का एक बड़ा उद्देश्य कारोबार में आसानी लाना है।

जीएसटी पंजीकरण व्यवस्था निर्बाध, तकनीक-संचालित और समयबद्ध होगी। कर दायरे में वृद्धि और विसंगतियों को कम करने के लिए पहले से भरे हुए रिटर्न फार्म की शुरुआत की जायेगी और रिफंड व्यवस्था तेज, संचालित होगी। वित्त मंत्री ने कहा कि इन सभी का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, व्यवसायों का समर्थन करना और जीवन और व्यापार करने में समग्र सुगमता को बढ़ाना है।

समाचार विशेष

अखिलेश ने कुल्हाड़ी पर मारा पैर?

पूजा की बर्खास्तगी करेगी सपा का बुरा हाल, आएका सियासी भूचाल!

लखनऊ. राजनीति में रणनीति सबसे अखिलेश होती है। लेकिन समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश द्वारा पार्टी विधायक पूजा पाल को बर्खास्त करना उनकी रणनीतिक चूक की तरफ इशारा कर रहा है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि सपा ने यह फैसला गलत समय पर ले लिया है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने पूजा पाल के एक बयान को अनुशासनहीनता उद्घाटन उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया। समाजवादी पार्टी का यह कदम उसकी पुरानी छवि को फिर से लाइम लाइट में ला सकता है, और गर ऐसा होता है तो सवाल यह भी उठता है कि क्या अखिलेश यादव ने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है?



प्रदेश में साल 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। हाल ही में हुए उपचुनावों में सपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद पूजा पाल जैसे चेहरे को बाहर का रास्ता दिखाना पार्टी को और कमजोर कर सकता है। पूजा पाल न सिर्फ महिला हैं, बल्कि पिछड़े वर्ग से भी आती हैं और माफिया

विरोधी संघर्ष की प्रतीक हैं। सियासी जानकारों का मानना है कि पूजा पाल के निष्कासन से सपा को छवि को तीन स्तरों पर नुकसान पहुंच सकता है- पहला, महिला विरोधी छवि, दूसरा, गैर-यादव पिछड़े वर्गों की अनदेखी और तीसरा, अपराधियों और माफियाओं के प्रति नरम रवैया. ये तीनों मुद्दे विरोधी दलों खासकर भाजपा के लिए मजबूत राजनीतिक हथियार बन सकते हैं। लोग यह भी मानते हैं कि सपा का इतिहास महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता की घटनाओं से भरा पड़ा है। गेस्ट हाउस कांड से लेकर अपने शासनकाल में महिलाओं पर हुए अत्याचारों तक, पार्टी की छवि हमेशा से महिला विरोधी रही है।

कमजोर होगा 'पीडीए' समीकरण!

अखिलेश यादव अक्सर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की बात करते हैं, लेकिन सपा का ध्यान हमेशा से यादव और मुस्लिम वोट बैंक पर रहा है। पूजा पाल पाल समाज से आती हैं, जो ओबीसी का एक अहम हिस्सा है और यादवों की तरह पशुपालक समाज से जुड़ा है। पूजा पाल को पार्टी से निकालने से न सिर्फ पाल समुदाय में, बल्कि अन्य गैर-यादव पिछड़े वर्गों में भी असंतोष पैदा होगा। भाजपा पहले से ही इन वर्गों में अपनी पैठ बढ़ा रही है. ऐसे में यह फ्रैसला सपा के पीडीए यानी 'पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक' के समीकरण को कमजोर कर सकता है. पूजा पाल के निष्कासन से सपा पर लगे इस पुराने आरोप को फिर बल मिलता है कि यह पार्टी अपराधियों, माफियाओं और बाहुबलियों की शरणस्थली रही है.

फुल फॉर्म में तेज प्रताप, तेजस्वी को चेतावनी!

चुनावी मैदान में टोक दी सियासी ताल



पटना. बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपने ताजा सोशल मीडिया पोस्ट से नया बंडर खड़ा कर दिया है. उन्होंने न सिर्फ भाई तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर सवाल उठाए, बल्कि 'जयचंदों' के खिलाफ तीखा हमला बोला. तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी 'टीम तेज प्रताप' के जरिए बिहार विधानसभा चुनाव में जोरदार दस्तक देने का ऐलान किया, जिससे सियासी समीकरण

बदल सकते हैं. गौर करने वाली बात यह भी है कि तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जैसे तीखे बयानों का उपयोग किया है उसने बिहार को सियासत में हलचल मचा दी है. उन्होंने 'जयचंदों' पर साजिश का आरोप लगाया और राहुल गांधी-तेजस्वी यादव की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर सवाल उठाए. 'जयचंदों' की साजिश का आरोप तेज प्रताप यादव ने अपने पोस्ट में आकाश यादव और कुछ 'जयचंदों' पर उनकी छवि खराब करने और राजनीतिक जीवन खत्म करने की साजिश का आरोप लगाया. तेज प्रताप यादव ने अपने पोस्ट में लिखा, आकाश यादव और कुछ जयचंदों के द्वारा हमारी फोटो को वायरल कर देना, हमारी राजनीति को खत्म करने की साजिश है. लेकिन इन जयचंदों को अभी पता नहीं कि हमारा नाम तेज प्रताप यादव है.

तेजस्वी बिहार में ड्राइविंग सीट पर



पटना. राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर राहुल गांधी के लिए ड्राइविंग की. सासाराम में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में आयोजित रैली और यात्रा के दौरान तेजस्वी ने खुली थार गाड़ी चलाई, जिसमें राहुल

गांधी पीछे खड़े थे. उनके साथ ही विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी भी थे. इससे पहले पिछले साल के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी जब प्रचार के लिए पहुंचे थे तब भी तेजस्वी ने उनके लिए गाड़ी चलाई. इस बार उनके ड्राइविंग सीट पर होने का प्रचार यह हो रहा है कि बिहार में विपक्ष की गाड़ी की ड्राइविंग सीट भी तेजस्वी के पास ही है. हालांकि अभी तक इसकी घोषणा नहीं की गई है. गौरतलब है कि राष्ट्रीय जनता दल ने तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया है. सहयोगी पार्टी वीआईपी के नेता मुकेश सहनी ने भी ऐलान किया है कि तेजस्वी मुख्यमंत्री बनेंगे और वे खुद उप मुख्यमंत्री बनेंगे.

विशेष मिल गया सबसे बड़े सवाल का जवाब, सामने आया चौंकाने वाला नाम!

कौन बनेगा बीजेपी का अगला बॉस?

नई दिल्ली. भाजपा का अगला अध्यक्ष कौन होगा? अब तक इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं है. जब भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से इस सवाल का जवाब पूछा जाता है, तो वे कहते हैं कि अध्यक्ष भाजपा से ही होगा. फिलहाल नाम नहीं बताया जा सकता. लेकिन अब चर्चा है कि भाजपा का अगला अध्यक्ष 'उत्तर' से हो सकता है. अब सवाल उठता है कि अध्यक्ष उत्तर से ही क्यों होगा, तो आइए इसके पीछे की राजनीति जानते हैं.



उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है. सहयोगी दलों ने भी राधाकृष्णन का समर्थन किया है. कौन होगा? इस सवाल का जवाब सीपी राधाकृष्णन वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं. अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा? इस सवाल का जवाब सीपी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी में छिपा है.

भारत से हैं. उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन दक्षिण भारत से आते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम भारत से आते हैं, और संसद में उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं. ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा का अगला अध्यक्ष उत्तर भारत से हो सकता है. भाजपा के नए अध्यक्ष के चयन में क्षेत्र के साथ-साथ जातीय समीकरणों को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं. अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समुदाय से आती हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओबीसी हैं और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन भी ओबीसी समुदाय से आते हैं.